“सच्ची खोज अच्छी खबर”

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 17 अंक : 20 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 10 जुलाई से 16 जुलाई, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह, इसे नहीं बदला जा सकता: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता–पिता की तरह है और इसे बदला नहीं जा सकता, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल ही दो ऐसे संवैधानिक पद हैं जो उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों और न्यायाधीशों जैसे अन्य पदाधिकारियों से अलग शपथ लेते हैं। हम सभी – उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य – संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं, लेकिन माननीय राष्ट्रपति और माननीय राज्यपाल संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने की शपथ लेते हैं। इस प्रकार, उनकी शपथ न केवल बहुत अलग है, बल्कि यह उन्हें संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने के भारी कार्य के लिए बाध्य भी करती है। कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना को लेकर कई मुद्दे रहे हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता–पिता की तरह है। आप चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, आप अपने माता–पिता की भूमिका को नहीं बदल सकते। यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में न्यायपालिका पर लोगों का बहुत भरोसा और सम्मान है। लोग न्यायपालिका पर उतना भरोसा करते हैं जितना किसी और संस्था पर नहीं। अगर संस्था पर उनका भरोसा खत्म हो गया तो हम एक गंभीर स्थिति का सामना करेंगे। 1.4 बिलियन की आबादी वाले देश को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्था न्यायपालिका, कार्यपालिका या विधायिका दूसरे के क्षेत्राधिकार में घुसपैठ करती है, तो इससे सब कुछ अस्त–व्यस्त हो सकता है। इससे असहनीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं जो हमारे लोकतंत्र के लिए संभावित रूप से बहुत खतरनाक हो सकती हैं। धनखड़ ने कहा कि उदाहरण के लिए,

न्याय–निर्णय न्यायपालिका के भीतर ही होना चाहिए। निर्णय न्यायपालिका द्वारा लिखे जाने चाहिए – विधायिका या कार्यपालिका द्वारा नहीं। इसी तरह, कार्यकारी कार्य कार्यकारी द्वारा किए जाते हैं, क्योंकि आप चुनावों के माध्यम से राजनीतिक कार्यकारी को चुनते हैं। वे आपके प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें कार्य करना होगा। लेकिन यदि कार्यकारी कार्य विधायिका या न्यायपालिका द्वारा किए जाते हैं – तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के सार और भावना के विपरीत होगा।

निशिकांत दुबे के बयान पर बिफरे उद्धव ठाकरे, कहा– फूट डालो और राज करो भाजपा की नीति

मुम्बई। महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने भाजपा सांसद की पटक पटक के मारेंगे टिप्पणी पर निशिकांत दुबे पर लकड़बग्घा का तंज कसते हुए पलटवार किया। उद्धव ने दुबे पर लोगों को बांटकर सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया और भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति के जरिए राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शिवसेना नेता की यह टिप्पणी निशिकांत दुबे द्वारा ठाकरे भाइयों पर हमला करने के बाद आई है। दुबे ने राज ठाकरे को महाराष्ट्र से बाहर आने की चुनौती देते हुए कहा था कि, "तुमको पटक पटक के मारेंगे।" संवाददाताओं से बातचीत में उद्धव ने कहा कि भाजपा की नीति हमेशा से फूट डालो और राज करो की रही है। राजनीति की यह शैली अब अपनी प्रासंगिकता खो रही है। मैं समझ सकता हूं कि शनिवार को मुंबई में हमारी रैली की सफलता से उनकी पार्टी बेचैन है। दुबे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया

देते हुए उद्धव ने कहा, "ऐसे 'लकड़बग्घे' राज्य में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका (भाजपा नेताओं का) एकमात्र काम लोगों को भड़काना है। हम किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम किसी भी भाषा को थोपने के लिए बल प्रयोग का विरोध करते हैं।" शिवसेना नेता ने हाल ही में गैर–मराठी भाषियों के खिलाफ हुई हिंसा की तुलना पहलगाम आतंकी हमले से करने के लिए महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार की भी आलोचना की। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महाराष्ट्र में हिंदी भाषी लोगों पर हाल ही में हुए हिंसक हमलों के लिए महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई तथा शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर सोमवार को तीखा हमला बोला और उन्हें चुनौती दी कि वे उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में जाकर वहां भी ऐसा करने की कोशिश करें। ठाकरे बंधुओं द्वारा महाराष्ट्र में काम करने वाले उत्तर भारतीय लोगों के खिलाफ किए गए हमले का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि आप उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में आ जाइए। लोग आपको पटक–पटक कर मारेंगे। एएनआई से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि आप लोग हमारे पैसे से जी रहे हैं। आपके पास किस तरह के उद्योग हैं? अगर आप इतने साहसी हैं और हिंदी बोलने वालों को पीटते हैं, तो आपको उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटना चाहिए। अगर आप इतने बड़े 'बॉस' हैं, तो महाराष्ट्र से बाहर आएँ, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु में आएँ – 'तुमको पटक पटक के मारेंगे'। उन्होंने कहा कि हम सभी मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी।

साढ़े चार साल की वंडर गर्ल सौंदर्या ने योगी को सुनाया शिव तांडव स्रोत, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। जिस उम्र में बच्चे बमुश्किल क ख ग घ और ए बी सी डी याद कर पाते हैं, उस उम्र यानी साढ़े चार वर्ष की उम्र में लखनऊ की वंडर गर्ल सौंदर्या विश्रुता पांडेय को शिव तांडव स्रोत कंठस्थ है। सोमवार को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के साथ नन्ही सौंदर्या ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान सौंदर्या ने मुख्यमंत्री के समक्ष शिवतांडव स्रोत के साथ ही भगवान गोरखनाथ की स्तुति सुनाई। साथ ही आंख बंद कर भारतीय संविधान की प्रस्तावना और संविधान के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 12 को भी सुनाया। मुख्यमंत्री ने असाधारण प्रतिभा की धनी सौंदर्या विश्रुता पाण्डेय की सराहना की, शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान वंडर गर्ल की मां गुंजा पांडेय और पिता आम्णुतोष कुमार पांडेय भी मौजूद रहे।

जौनपुर कांग्रेस नेता देवराज पांडेय का भांडुप में सम्मान

मुंबईः— जौनपुर कांग्रेस उपाध्यक्ष देवराज पांडेय के मुंबई आगमन पर भांडुप कांग्रेस के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया जिसका आयोजन समाज सेवी डॉ सचिन सिंह ने कादम्बरी क्लिनिक पर किया सपीसीसी विजय पांडेय, मंगला शुक्ला ने वक्तव्य में मंगला शुक्ला ने पांडेय के कार्यों कि सराहना करते हुए पांडेय के सेवादल से लेकर अब तक के सफर की प्रशंसा किए। स्वागत समारोह में मंगला शुक्ला डॉ सचिन सिंह, बाबू निषाद (ब्लॉक अध्यक्ष), सुधाकर मिश्रा, राकेश शुक्ला अजय पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष), अनिल कुमार पांडेय अतुल पांडेय ओमप्रकाश शुक्ला ने शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया स अंत में पांडेय ने आए हुए कांग्रेस जन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज भांडुप के लोगों का स्नेह प्यार पा कर मैं बहुत अभीभूत हूं।

दिव्यांशी भौमिक ने टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल जीतकर रचा इतिहास...

भारत की युवा टेबल—टेनिस खिलाड़ी दिव्यांशी भौमिक ने एशियन यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप का गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। 14 वर्षीय दिव्यांशी इस चैंपियनशिप की अंडर—15 कैटेगरी में खेल रही थीं। अंडर—15 बालिका एकल खिताब जीतकर उन्होंने इतिहास रच दिया। दिव्यांशी की ये स्वर्णिम सफलता इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि 36 वर्षों बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने ये खिताब जीता है।गोल्ड मेडल मैच में दिव्यांशी ने चीन की झू छीही को 4—2 से हराया. दिव्यांशी भौमिक को देशवासियों की तरफ से हार्दिक बधाई...

— संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

एड. शरीफ खान का कॉंग्रेस पार्टी द्वारा सम्मान

मुंबई— मुलुंड के समाज सेवक,राजनेता शरीफ खान ने 50 वर्ष की आयु में कठिन परिश्रम एवम परिवार का भरण—पोषण करते हुए मुंबई विश्वविद्यालय से वकालत एल.एल.बी डिग्री हासिल किया है। पारिवारिक दायित्व के चलते 1991 में 8वीं पास करने के पश्चात पढाई छोडने के 26 साल बाद पढ़ाई की ललक उठी।और 2017 में उन्होंनें एस.एस.सी.का फार्म भरा।और सेकंड क्लास पास हुये। 2019 में 12वीं में कामर्स से सेकंड क्लास उत्तीर्ण हुये। फिर पांच वर्ष पढ़ाई कर बी.एल.एस.एल.एल.बी.में फर्स्ट क्लास पास हुये। शरीफ खान समता हाकर्स युनियन के अध्यक्ष एवम महाराष्ट्र कांग्रेस उ.भा.सेल के सचिव हैं। उनकी उपलब्धि पर मुलुंड कांग्रेस द्वारा मुलुंड कॉलोनी स्थित कांग्रेस कार्यालय पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. आर. आर. सिंह, डॉ. बाबूलाल सिंह, राजन उठवाल, मोहनलाल राज, गणेश रावत, संतोष सिंह,विपुल गोगरी, फ़िरोज़ भाई,विनोद कजानिया, अनिल सिंह,भरत खटनहार, विजय देठे, किसान यवाते, मानबहादुर सिंह,जितेंद्र सिंह ठाकुर ने शाल एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर मिठाई खिला कर एड. शरीफ खान का सम्मान किया।

पुलिस स्टेशन एवं ट्राफिक हवलदारों को रेनकोट वितरित

मुंबई की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था परोपकार की तरफ से मुंबई,भाइंदर व भिवंडी के पुलिस स्टेशनों और ट्रॉफिक हवलदारों में लगभग एक हजार रेनकोट का विवरण किया गया।यह वितरण बीस जून से अट्ठाईस जून 2025 के बीच इन पुलिस स्टेशनों में संस्था अध्यक्ष राम किशोर दरक और मंत्री विनय गोपीनाथ मिश्र की देखरेख में किया गया।जाकर किया गया। इस संक्षिप्त समारोह में एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ नितिन तडखे सहित तमाम पुलिस कर्मी तथा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

"तुम्हारी खोज में..."

इस सृष्टि में रहस्य है,
हर कण में एक मौन प्रश्न है,
तुम कौन हो...?
तुम्हारी खोज
विज्ञान करता है यंत्रों से,
तारों के मध्य,
कणों के भीतर,
ऊर्जाओं के समीकरणों में
अध्यात्म करता है
मौन में, ध्यान में,
श्वास की थरथराहट में,
जितना ज्ञात है,
उतना ही अज्ञात भी
हर उत्तर एक नई पहेली
है जितना दृश्य है,
उतना ही अदृश्य भी हर
छाया के पीछे एक और
प्रकाश है तुम पहले भी
थे ऋषियों की समाधि
में,तुम अब भी हो एक
बच्चे की मुस्कान में,
तुम कल भी रहोगे
जब ये सृष्टि मौन में समा
जाएगी।
तुम खोज नहीं,
स्वयम् ही रहस्य हो
तुम लक्ष्य नहीं,
स्वयम् ही यात्रा हो

केशव कृष्ण

जीवन को कीमती बनाना

किसी के इन्तजार में, वक्त ना यूं बरबाद करो
जीवन बड़ा अनमोल है, यूं ही ना खराब करो

खूबसूरत तभी हो पाएगा, रस्ते का हर मंजर
जब औरों के लिए, साफ रखोगे अपनी नजर

हर रोज अपना वक्त, कुछ इस कदर बिताना
किसी की मदद करने का, मौका नहीं गंवाना

करते जाना ज़हन से, हर कमी को तुम जुदा
सबकुछ मिल जाएगा, खुश हो जाएगा खुदा

अपनी जुबान पर तुम, सीख लो करना रहम
खामोशी को बना लो, अपने जीवन में अहम

बुराईयां अपनाकर अपना, चरित्र नहीं गिराना
अपना ये जीवन तुम, कीमती खुद ही बनाना

शांति
मुकेश कुमार मोदी,
बीकानेर, राजस्थान

हे भारत की नारी

महान भारत की तुम हो देवी तुल्य नारी
जिसका गुणगान करती है दुनिया सारी

साड़ी रूपी वस्त्र ही तेरी सुंदरता बढ़ाता
लज्जा का आभूषण चेहरे को चमकाता

नयनों में सौम्यता और वाणी में मिठास
एक वृता जीवन विशेषता तुम्हारी खास

जीवन भर एक के संग ही साथ निभाती
लाखों जिम्मेदारियां भी तुझे नहीं थकाती

मर्यादा की सीमा में रहना तुमको भाता
आपत्तियों का सामना करना तुझे आता

अष्टशक्तियों से सजी तुम भारत की नारी
देवियों के रूप में तुम्हें पूजे दुनिया सारी

शांति
मुकेश कुमार मोदी,
बीकानेर, राजस्थान

उत्तर भारतीय संगठनों की मांग
मुलुंड का अग्रवाल हॉस्पिटल तत्काल जनता के लिए खोला जाय

मुंबई – पिछले 10 वर्षों से करोड़ों रूपये की लागत से मुंबई मनपा द्वारा निर्मित एम. टी. अग्रवाल हॉस्पिटल की बहुमंजिला इमारत बन कर तैयार है। परन्तु एक दो वर्षों से उसके उद्घाटन का शुभ मुहूर्त नहीं निकल पा रहा है। जिसकी वजह से इस बरसात के मौसम में मुलुंड ,भांडुप के रोगियों एवं परिजनों को भारी दुर्दशा झेलनी पड़ रही है स इस समय मुंबई में मलेरिया, डेंगू, गैस्ट्रो, टाइफाइड का प्रकोप चल रहा है स कामचलाऊ हॉस्पिटल के डॉक्टर सभी मरीजों को यह कहते हैं कि यहाँ सुविधा उपलब्ध नहीं है,और उन्हें सायन, राजावाड़ी,अथवा के. ई.एम.हॉस्पिटल भेज देते है। इससे मरीजों एवं उनकेपरिजनो को भारी त्रासदी झेलनी पड़ रही है। इस सन्दर्भ में मुलुंड के उत्तर भारतीय संगठनों के प्रतिनिधियों, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), डॉ. बाबूलाल सिंह (अध्यक्ष– महानगरी को ऑप क्रेडिट सोसाइटी लि.), बीरेंद्र पाठक (महासचिव– उत्तर भारतीय मित्र मंडल), रमा शंकर तिवारी (अध्यक्ष– उत्तर भारतीय संगम)ने टी वार्ड की नवनियुक्त सहायक आयुक्त श्रीमती योगिता कोल्हे का सत्कार करते हुए उन्हें इस संदर्भ का ज्ञापन सौंपा तथा नवनिर्मित एम. टी. अग्रवाल हॉस्पिटल को शीघ्र से शीघ्र जनता की सेवा के लिए खुलवाने की मांग किया। सहायक आयुक्त ने भी इस सन्दर्भ में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मोहित सिंह, चद्रवीर यादव,दयाशंकर पाल,राकेश मिश्रा, रवि बरनवाल भी उपस्थित रहे।

महोदय आप के अनुसार यह वर्क या अनुमान है
पूरा इतिहास पड़ो आप एक तरफ से

बाल विवाह होता था 5 साल से सात साल में वह बंद हुआ शादी के 7 से 9 वर्ष में गवना होता था जो लड़का किसी वजह से मर जाता था लड़की पूरी उम्र कुमारी रहती हैं अभी भी मेरे पास प्रमाण है ब्राह्मण ठाकुर दोनो समाज का महाराष्ट्र में यूपी के है 12 से 15 साल की उम्र में शादी होने के बाद लड़की 25 साल के पहले रोगी हो जाती है 40 से 45 के उम्र में देहात हो जाता है

15 से 25 की उम्र ठीक है शिक्षित होना अनिवार्य है हर व्यक्ति को अपनी लाइफ जीना चाहिए

कोई ऐसा घर नहीं है जहां पे शादी होने के बाद लड़की मायके में पहले जैसे 6 महीने एक साल रुकने की अनुमति मिलता हो

शिक्षित होने के बाद पैसा रहेगा उनके पास शादी बच्चे पैदा कर के परेशान हो 18 साल के पहले कोई व्यक्ति नौकरी नहीं कर सकता है अच्छा भी है जनसंख्या बढ़ा के क्या मतलब जब कोई योग्य ना हो

वैसे भी ब्राह्मण ठाकुर सवर्ण के नाम पे कोई बेनिफिट नहीं है सरकार के तरफ से

सवर्ण समाज 26 हजार फीस भरेगा

Scst मात्र 500

एडमिशन में सवर्ण कॉस्ट को 50 के ऊपर होना चाहिए अन्यथा डोनेशन लगता है

वहीं **scst** में 38%पाने वाले का एडमिशन हो जाता है वीना डोनेशन के आप कौन से समाज की बात कर रहे है कहने के लिए लोकसभा से विधान सभा तक सवर्ण समाज की संख्या 65% अधिक है कभी सवर्ण समाज के लिए कोई आवाज नहीं उठा पाता मात्र समाज जाती वोट के टाइम पे सभी याद करते है।

जीत जाने के बाद अपने जातीय के व्यक्ति को नजदीक नहीं आने देते वजह की उनका बर्चस्व खतरे में दिखने लगता है सवर्ण समाज की सोच यही दर्शाती है।

प्रगपर अहिंसाधाम में देशभर से जीवदया प्रेमी उपस्थित हुए

संस्कृति – मानवता का जागरण हो रहा है, और उसके केंद्र में गौमाता हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने अहिंसाधाम को एक तीर्थ समान बताते हुए संस्था की गतिविधियों की सराहना की। वरिष्ठ एडवोकेट और 'हिंसा विरोध' के मानद संपादक अरुणभाई ओझा ने जीवदया को ईश्वरीय कार्य बताया और स्वर्गीय गीताबेन रांभिया की हत्या के बाद के आंदोलन और कानूनी संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि कत्लखानों को बंद करने की पहल गुजरात ने की है। इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि अहिंसाधाम में विद्यार्थियों की नियमित यात्राओं से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल रही है, जिसकी उन्होंने सराहना की।

इससे पहले, संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी महेन्द्रभाई सांगोई ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष में दो बार आयोजित यह सम्मेलन देशभर में गौसेवा, पर्यावरण और जीवदया के लिए काम करने वालों को एक मंच पर लाता है। पिछले एक वर्ष में नंदी सरोवर के पास बनाए गए वन में एक लाख पेड़ों का रोपण हुआ है। हमारा लक्ष्य 10 लाख पेड़ लगाने का है। तालाब निर्माण, जल संरक्षण, टपक सिंचाई, घास वन, पशु **ICU** जैसी गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जैसे नारायण श्रीकृष्ण के समय गायों की सेवा की जाती थी, वैसी ही भावना संस्था में भी है। संस्था के अध्यक्ष हरेशभाई वोरा ने मेहमानों का स्वागत किया। ट्रस्टियों में मुलचंदभाई छेड़ा, डायलालभाई उकाणी, संस्था के **CEO** डॉ. गिरीश नागड़ा, मैनेजर राहुल सावलानी आदि उपस्थित रहे। काव्यात्मक शैली में संचालन करते हुए अमृत निशर ने कहा कि हमें प्रकृति से सीखते हुए हमेशा कुछ न कुछ देना सीखना चाहिए। भोगीभाई त्रेवाडिया और संदीप भाई दोषी का इस कार्यक्रम महत्वपूर्ण योगदान रहा!

सम्पादकीय...

केरल से कुछ सीखें अन्य सरकारें, मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों पर लगाम जरूरी

छात्रों की सेहत और सकारात्मकता से जुड़ी केरल शिक्षा विभाग की जुंबा जैसी पहल बहुत सराहनीय है। ऐसी पहल की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। एक्सरसाइज यानी किसी प्रकार की कसरत सरीखी गतिविधि तनाव बढ़ाने वाले कार्टिसोल जैसे हार्मोन को घटाने में बड़ी मददगार होती है। तनाव बढ़ने पर ही अक्सर बच्चे और किशोर नशाखोरी की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में संगीत की थाप पर चलने वाली जुंबा जैसी गतिविधि बहुत उपयोगी प्रतीत होती है। यह बच्चों एवं किशोरों को किसी भौतिक सजा के बजाय आनंद की अधिक अनुभूति कराती है। राज्य में बीते दो वर्षों के दौरान नाबालिगों में नशाखोरी से जुड़े मामले बढ़े हैं, उसे देखते हुए एक अनुभव आधारित व्यावहारिक समाधान की आवश्यकता महसूस हो रही है, जिसे हर कक्षा में सहजता से लागू किया जा सके। हर अच्छी पहल में खलल डालने के लिए कुछ विघ्नसंतोषी सदैव सक्रिय रहते हैं। जुंबा डांस मामले में भी ऐसा ही हुआ और विजडम इस्लामिक आर्गेनाइजेशन नाम की संस्था इसके विरोध में उतर आई। संस्था के महासचिव टीके अशरफ ने जुंबा को डीजे शैली वाला बताते हुए कहा कि इसमें लड़के–लड़कियां 'अधनंगे' होकर नाचते हैं। एक अन्य संगठन–समस्ता से जुड़े मौलवियों ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए जुंबा को अश्लील करार दिया। इस चौंकाने वाली आलोचना का सरोकार इस शैली या सार्वजनिक स्वास्थ्य से न होकर 'हया' जैसी इस्लामिक मान्यता से कहीं ज्यादा था। जब ऐसी मजहबी दलीलों का मजाक बनाया जाने लगा तो विरोध करने वालों ने स्वर बदलते हुए इस मामले में 'परामर्श' और 'दीर्घकालिक अध्ययन' की दुहाई देनी शुरू कर दी। यह और कुछ नहीं अपनी मूल मंशा को छिपाने के लिए गोलपोस्ट बदलने जैसा था, जिसमें कथित नैतिक आग्रह जुड़े हुए थे। यह धारणा मुझे स्वीकार्य नहीं कि पाठ्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को लेकर एक निर्वाचित सरकार मजहबी मान्यताओं के ठेकेदारों की अनुमति पर निर्भर होकर रह जाए। इससे पंथनिरपेक्षता की पूरी संकल्पना ही विकृत हो जाएगी। इससे न केवल धार्मिक–मजहबी मामलों से राज्य को दूर रखने के सिद्धांत को ठेस पहुंचेगी, बल्कि वह नीति भी वैधता प्राप्त करती जाएगी कि जब तक मजहबी ठेकेदार हरी झंडी नहीं दिखाएंगे, तब तक कोई नीति सिरे नहीं चढ़ पाएगी। किसी हिंदू, ईसाई या पंथनिरपेक्ष सांस्कृतिक संगठन ने जुंबा का विरोध नहीं किया। आम तौर पर कट्टर समझे जाने वाले मुस्लिम संगठन ने ही ऐसा किया। धार्मिक–मजहबी प्रविधान निजी संस्थाओं के दायरे में तो स्वीकार्य हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्कूलों में उन्हें चीजों को निर्धारित करने की निर्णायक शक्ति नहीं दी जा सकती। यह आरोप भी गले नहीं उतरता कि जुंबा की लैटिन अमेरिकी जड़ें 'सांस्कृतिक आक्रमण' करती हैं। देखा जाए तो केरल में इस्लाम का आगमन ही समुद्री मार्ग से हुआ। जिन्हें फिटनेस से जुड़ी एक विदेशी पद्धति अपनाने में खोट दिखता है, उन्हें आयातित मजहब, स्मार्टफोन और खाड़ी से आने वाले चेक स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं दिखता। यह भी गजब की बौद्धिक कलाबाजी है। यदि वाकई में बच्चों के समग्र हितों को प्राथमिकता देनी है तो रूढ़िवादी समूहों को तत्काल साफ–सफाई शुरू करनी होगी। केरल की मस्जिदों में 'मी टू' यानी यौन शोषण के मामले चर्चित हुए हैं। हज और उमरा के दौरान भी ऐसे आरोप सुनाई पड़े। केरल की अदालतों ने मदरसा शिक्षकों को यौन शोषण के मामलों में सजा भी सुनाई है। इसके बावजूद एक फिटनेस गतिविधि का विरोध किया जा रहा है और मजहबी स्थलों में हो रहे अपराधों पर चुप्पी साधी जा रही है। यह नैतिक उलटबांसी को ही उजागर करता है। जुंबा को लेकर वाम नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। मंत्रियों ने दो–टूक कहा कि बाहरी तत्व नीतियों को निर्धारित नहीं कर सकते। जुंबा आलोचकों को आड़े हाथों लेकर यह भी कहते हुए सुना गया कि तालिबानी मानसिकता वाले लोग उस राज्य में अपनी पैठ मजबूत करना चाहते हैं, जो अपनी उच्च साक्षरता एवं सामाजिक सूचकांकों पर गर्व करता है। यह भाषा भले ही थोड़ी तीखी हो, लेकिन तुलना उपयुक्त है। तिलमिलाए आलोचक अब विशेष रूप से नशे से दूर रखने में जुंबा की उपयोगिता साबित करने वाले अध्ययनों पर जोर दे रहे हैं। यह सही है कि इससे संबंधित व्यापक अनुभव एवं आंकड़े उपयोगी होंगे, लेकिन नीतियों को लागू करने का मामला किसी की मनमानी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। तमाम वैज्ञानिक साक्ष्य यही पुष्ट करते हैं कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज व्यक्ति को अच्छा महसूस कराने में कारगर साबित होती है। अगर कट्टरपंथियों को नशामुक्ति के और कुछ अन्य उपाय प्रभावी लगते हैं तो वे अपने संस्थानों में उन्हें आजमाने एवं उनके साक्ष्य दर्शाने के लिए स्वतंत्र हैं। तब तक जुंबा के प्रभाव और उसकी उपयोगिता को लेकर उनके सवाल कुछ और नहीं, बल्कि इसे टालने की तिकड़म ही अधिक लगेंगे।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत से जीवन में आती है खुशहाली

आज आषाढ़ भौम प्रदोष है। भौम प्रदोष व्रत करने से भगवान शिव की कृपा मिलती है और इस दिन महादेव की पूजा–अर्चना होती है। आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है तो आइए हम आपको आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत के बारे में

'प्रदोष' का अर्थ है रात्रि का शुभारंभ। इस व्रत का पूजन रात के समय होता है। यही कारण है इसे प्रदोष व्रत कहते हैं। यह व्रत शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को किया जाता है। इस बार आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत 8 जुलाई को पड़ रहा है। यह व्रत संतान की कामना और उसकी रक्षा के लिए किया जाता है। इस व्रत को स्त्री पुरुष दोनों ही कर सकते हैं। सनातन धर्म में आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन शिव परिवार की पूजा–अर्चना करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत के दिन विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक को सभी तरह की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। साथ ही महादेव की कृपा रुके हुए काम पूरे होते हैं।

भौम प्रदोष व्रत से जुड़ी पौराणिक कथा

शास्त्रों में भौम प्रदोष व्रत से जुड़ी एक पौराणिक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार एक बुढ़िया थी, वह भौम देवता (मंगल देवता) को अपना इष्ट देवता मानकर सदैव मंगल का व्रत रखती और मंगलदेव का पूजन किया करती थी। उसका एक पुत्र था जो मंगलवार को हुआ था। इस कारण उसको मंगलिया के नाम से बोला करती थी। मंगलवार के दिन न तो घर को लीपती और न ही पृथ्वी खोदा करती थी। एक दिन मंगल देवता उसकी श्रद्धा की परीक्षा लेने के लिये उसके घर में साधु का रूप बनाकर आये और द्वार पर आवाज दी। बुढ़िया ने कहा महाराज क्या आज्ञा है ? साधु कहने लगा कि बहुत भूख लगी है, भोजन बनाना है, इसके लिए तू थोड़ी–सी पृथ्वी लीप दे तो तेरा पुण्य होगा। यह सुनकर बुढ़िया ने कहा महाराज आज मंगलवार की व्रती हूं। इसलिये मैं चौका नहीं लगा सकती कहो तो जल का छिड़काव कर दूं और उस पर भोजन बना लें। साधु कहने लगा कि मैं गोबर से ही लिपे चौके पर खाना बनाता हूं। बुढ़िया ने कहा पृथ्वी लीपने के सिवाय और कोई सेवा हो तो बताएं वह सब कुछ कर दूंगी। तब साधु ने कहा कि सोच समझकर उत्तर दो जो कुछ भी मैं कहूं सब तुमको करना होगा। बुढ़िया कहने लगी कि महाराज पृथ्वी लीपने के अलावा जो भी आज्ञा करेंगे उसका पालन अवश्य करूंगी। बुढ़िया ने ऐसे तीन बार वचन दे दिया। तब साधु कहने लगा कि तू अपने लड़के को बुलाकर आंधा लिटा दे मैं उसकी पीठ पर भोजन बनाऊंगा।

साधु की बात सुनकर बुढ़िया चुप हो गई। तब साधु ने कहा– "बुला ले लड़के को, अब सोच–विचार क्या करती है ?" बुढ़िया मंगलिया, मंगलिया कहकर पुकारने लगी। थोड़ी देर बाद लड़का आ गया। बुढ़िया ने कहा– "जा बेटे तुझको बाबाजी बुलाते हैं," लड़के ने बाबाजी से जाकर पूछा– "क्या आज्ञा है महाराज ?" बाबाजी ने कहा कि जाओ अपनी माताजी को बुला लाओ। तब माता आ गई तो साधु ने कहा कि तू ही इसको लिटा दें। बुढ़िया ने मंगल देवता का स्मरण करते हुए लड़के को औंधा लिटा दिया और उसकी पीठ पर अंगीठी रख दी और कहने लगी कि महाराज अब जो कुछ आपको करना है कीजिए, मैं जाकर अपना काम करती हूं। साधु ने लड़के की पीठ पर रखी हुई अंगीठी में आग जलाई और उस पर भोजन बनाया। जब भोजन बन चुका तो साधु ने बुढ़िया से कहा कि अब अपने लड़के को बुलाओ वह भी आकर भोग ले जाये। बुढ़िया कहने लगी कि यह कैसे आश्चर्य की बात है कि उसकी पीठ पर आपने आग जलाई और उसी को प्रसाद के लिये बुलाते हैं। क्या यह सम्भव है कि अब भी आप उसको जीवित समझते हैं, आप कृपा करके उसका स्मरण भी मुझको न कराइए और भोग लगाकर जहां जाना हो जाइये। साधु के बहुत आग्रह करने पर बुढ़िया ने ज्यों ही मंगलिया कहकर आवाज लगाई त्यों ही एक ओर से दौड़ता हुआ वह आ गया। साधु ने लड़के को प्रसाद दिया और कहा कि माई तेरा व्रत सफल हो गया। तेरे हृदय में दया है और अपने इष्ट देव में अटल श्रद्धा है और इसके कारण तुमको कभी कोई कष्ट नहीं पहुंचेगा।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत में भौम शब्द का है खास महत्व

आपको बता दें कि हर माह में प्रदोष व्रत आता है। मंगलवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत को 'भौम' कहते हैं। यह व्रत करने से व्रत ऋण, भूमि, भवन संबंधित परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही शारीरिक बल भी बढ़ता है। आपका मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहता है।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 07 जुलाई को देर रात 11 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 09 जुलाई को त्रयोदशी तिथि देर रात 12 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में 08 जुलाई को प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। इस दिन शिव जी की पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम 07 बजकर 23 मिनट से लेकर 09 बजकर 24 मिनट तक है। इस दौरान किसी भी समय पूजा–अर्चना कर सकते हैं। मंगलवार के दिन पड़ने के की वजह से यह भौम प्रदोष व्रत कहलाएगा।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत पर रखें इन बातों का ध्यान

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर महादेव की पूजा–अर्चना करें। सूर्य देव को अर्घ्य दें। व्रत के दिन सात्विक चीजों का भोजन करें। शिवलिंग का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक करें। अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करें। पूजा के दौरान शिव मंत्रों और शिव चालीसा का पाठ करें।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत का महत्व

आज यानी 08 जुलाई को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि है। हर महीने इस तिथि पर प्रदोष व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन महादेव की पूजा और व्रत करने से साधक को सभी भय से छुटकारा मिलता है। साथ ही शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। प्रदोष व्रत के दिन कई योग भी बन रहे हैं।

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत के दिन ऐसे करें पूजा

आषाढ़ भौम प्रदोष व्रत के दिन सुबह स्नान कर साफ वस्त्र पहनें और व्रत का संकल्प लें। संध्या समय प्रदोष काल (सूर्यास्त से पहले का समय) में भगवान शिव का अभिषेक करें। भगवान शिव को जल, दूध, दही, शहद और गंगाजल से स्नान कराएं। बेलपत्र, अक्षत, फूल और धूप–दीप अर्पित करें। महामृत्युंजय मंत्र या 'ध नमः शिवाय' का जाप करें। प्रदोष व्रत कथा का श्रवण करें और भगवान से अपनी समस्याओं के निवारण की प्रार्थना करें।

जौनपुर कांग्रेस नेता देवराज पांडेय का भांडुप में सम्मान

मुंबईः– जौनपुर कांग्रेस उपाध्यक्ष देवराज पांडेय के मुंबई आगमन पर भांडुप कांग्रेस के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया जिसका आयोजन समाज सेवी डॉ सचिन सिंह ने कादम्बरी क्लिनिक पर किया सपीसीसी विजय पांडेय, मंगला शुक्ला ने वक्तव्य में मंगला शुक्ला ने पांडेय के कार्यों कि सराहना करते हुए पांडेय के सेवादल से लेकर अब तक के सफर की

प्रशंसा किए। स्वागत समारोह में मंगला शुक्ला डॉ सचिन सिंह, बाबू निषाद (ब्लॉक अध्यक्ष), सुधाकर मिश्रा, राकेश शुक्ला अजय पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष), अनिल कुमार पांडेय अतुल पांडेय ओमप्रकाश शुक्ला ने शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया स अंत में पांडेय ने आए हुए कांग्रेस जन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज भांडुप के लोगों का स्नेह प्यार पा कर मैं बहुत अभीभूत हूं।

पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या, जादू–टोना का शक, तेजस्वी का भी आया बयान

बिहार के पूर्णिया जिले में अंधविश्वास से जुड़ी भीड़ द्वारा की गई हिंसा के एक भयावह मामले में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को जादू– टोना के आरोप में कथित तौर पर पीट–पीटकर मार डाला गया। यह घटना मुफस्सिल पुलिस थाने के अंतर्गत राजीगंज पंचायत के टेटगामा गांव में हुई। पीड़ितों की पहचान बाबूलाल उरांव, उनकी पत्नी सीता देवी, उनकी मां काटो मसोमात, उनके बेटे मंजीत उरांव और बहू रानी देवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को पहले पीट–पीटकर मार डाला गया और फिर 250 से ज़्यादा ग्रामीणों की भीड़ ने उन पर जादू–टोना करने का आरोप लगाकर उनके शवों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद उनके शवों को छिपा दिया गया और अवशेषों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को पहले पीट–पीटकर मार डाला गया और फिर 250 से ज़्यादा ग्रामीणों की भीड़ ने उन पर जादू–टोना करने का आरोप लगाकर उनके शवों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद उनके शवों को छिपा दिया गया और अवशेषों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अतिरिक्त एसपी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कई थानों की टीमों के साथ भीषण घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे।

जांच के लिए फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी तैनात किया गया है। पूछताछ के लिए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें एक स्थानीय तांत्रिक (जादूगर) नकुल उरांव भी शामिल है। पुलिस को संदेह है कि हत्याएं तांत्रिक द्वारा प्रचारित अंधविश्वासों के कारण हुई हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों को जिंदा जलाकर मार दिया। **DK TaÛ** के कारण बिहार में अराजकता चरम पर, **DGP@CS** बेबस, कानून व्यवस्था ध्वस्त तेजस्वी ने आगे लिखा कि परसों सिवान में 3 लोगों की नरसंहार में मौत। विगत दिनों बक्सर में नरसंहार में 3 की मौत। भोजपुर में नरसंहार में 3 की मौत। अपराधी सतर्क, मुख्यमंत्री अचेत, भ्रष्ट भूंजा पार्टी मस्त, पुलिस पस्त! क्ज्ञ की मौज क्योंकि क्ज्ञ ही असल बॉस। पूर्णिया में हुई इस घटना के बारे में चश्मदीद गवाह सोनू और ललित ने बताया कि सुबह करीब 3 बजे करीब 250 ग्रामीणों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। उन्होंने बाबूलाल उरांव, उनकी पत्नी सीता देवी, उनकी मां काटो मोसमात, उनके बेटे मंजीत उरांव और उनकी बहू रानी देवी को घर से घसीटकर बाहर निकाला। चश्मदीदों के मुताबिक, भीड़ ने तालाब के पास उन पर बेरहमी से हमला किया और फिर परिवार के पांच सदस्यों पर पेट्रोल डालकर उन्हें जिंदा जला दिया।

झोलाछाप के इलाज से युवक की हालत बिगड़ी, रेफर

उरई। झोलाछाप के इलाज से युवक की तबीयत बिगड़ गई। हालत खराब देखकर परिजनों ने युवक को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तहसील क्षेत्र के बोहरा गांव निवासी गोशाला के केयरटेकर रामरूप शाक्यवार के पुत्र देवप्रसाद उर्फ शिवम शाक्यवार (22) को रविवार की रात तेज बुखार के साथ दस्त होने लगे। परिजनों की सूचना पर माधौगढ़ का झोलाछाप गांव पहुंचा। आरोप है कि देवप्रसाद के जैसे ही बोतल चढ़ाई तो उसकी हालात बिगड़ गई। इस पर झोलाछाप भाग खड़ा हुआ। परिजनों ने आननफानन में सोमवार को सीएचसी में भर्ती कराया। डॉक्टर ने हालात खराब देख जिला अस्पताल फिर झांसी रेफर कर दिया है। सीएमओ डॉ. एनडी शर्मा का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी। अगर झोलाछाप ने इलाज किया है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

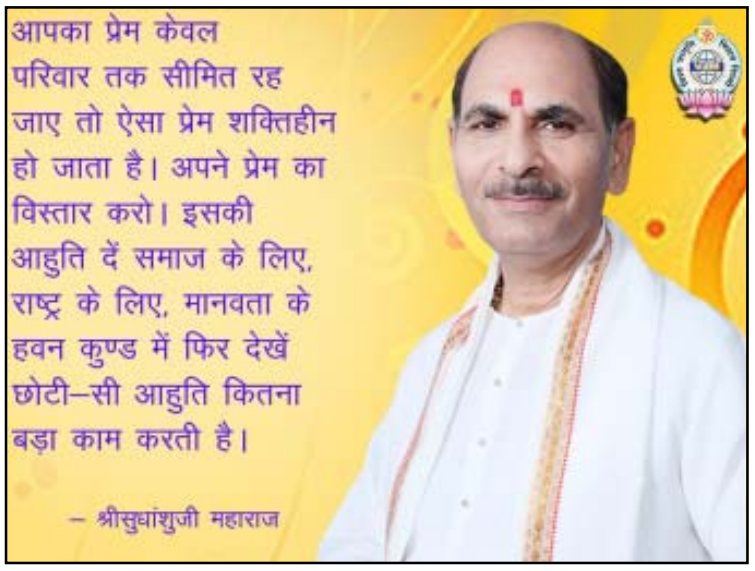

कजरी

(हमइ मराठी भाषा ठीक से...)

हमइ मराठी भाषा ठीक से सिखाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न ।

जो मराठी नाहीं सिखब,
कइसे मुंबई म रहब,
कौनो टीचर से ट्यूशन लगाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न ।

लइदे नोटबुक किताब,
करब मराठी म हिसाब,
वर्णमाला वाली कितबिया मँगाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न ।

"पुढ़े चला, तिकड़े बसा" ,
सिखब कोउ न होइ खफा,
बात माना हमरी इ सब करवाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न ।

काहे होत नित बवाल,
पिया हमका यह मलाल,
भाषा प्रेम क मिसाल तू देखाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न ।

हमइ मराठी भाषा ठीक से सिखाइ द पिया,
झगड़ा सब मिटाइ द पिया न।

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरुआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी–देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़–यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवड़ियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं। ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली–दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था–'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं। कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडका। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, "मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?"

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है 'न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।' इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान 'लालाजी पनीर भंडार' के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं। पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया 'फहीम जूस केंद्र।' 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल।' ऐसे ही 'नीलम स्वीट्स' का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। 'अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स' का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के 'चीतल ग्रैंड' के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है– शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे 'जनता वैष्णो ढाबा' का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना 'गणपति' ढाबा बेच दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून–नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी–देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिड़ियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी–देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है। अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मज़बूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक़्क़त है? अपने–अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक़्क़तें पैदा करता है। बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म–कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन– प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके। वैसे भी ये मसला हिंदू–मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

अमेरिका में कुदरत का कहर : टेक्सास में बाढ़ से अबतक 80 मौतें–41 लोग लापता, कई इलाकों में फिर से बाढ़ की चेतावनी

वॉशिंगटन । अमेरिका के टेक्सास राज्य में ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अभी भी लापता हैं। बता दें नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। हालांकि कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचा लिया गया। बाढ़ से हालात इतने खराब है कि टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं। हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। क्ररू मोदी ने भी शनिवार को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की।

छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती पर शोभा यात्रा निकाली

शाहूजी ने सामाजिक न्याय और समानता के उल्लेखनीय कार्य किए

कानपुर–सामाजिक न्याय और समानता के प्रणेता राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर भव्य वाहन शोभायात्रा को पटेल चौक बर्रा चौराहे पर मुख्य अतिथि कानपुर इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव के चेयरमैन श्री विजय कपूर ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। शोभा यात्रा का आयोजन अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा कानपुर की अगुवाई में किया गया। इस यात्रा में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दलित समुदाय के कई संगठनों के तमाम लोगों ने भी भाग लिया। सैकड़ों कारों, बाइकों सहित शोभा यात्रा रथ के साथ काफिला अपने निर्धारित मार्ग पर शांति के साथ विश्वविद्यालय की ओर चला। मार्ग में जगह–जगह पर लोगों ने शाहू जी महाराज का जयघोष करते हुए पुष्प वर्षा की। शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज की आदमकद मूर्ति पर भव्य माल्यार्पण एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजा राम पाल एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कमलेश कटियार ने शाहू जी के जीवन और सामाजिक उन्नयन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर शिवा जी विश्वविद्यालय कोल्हापुर महाराष्ट्र की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ पद्मा पाटिल द्वारा शाहू जी महाराज के जीवन पर लिखी गई पुस्तक ऋतु आए फल होए का सार्वजनिक विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रदीप कटियार के साथ डॉ अनिल कटियार, कैलाश उमराव, जे एन कटियार, शैलेन्द्र पटेल, फूल चन्द्र उमराव काका, शशिकांत सचान, पावेन्द्र पटेल, क्रांति कुमार कटियार, श्रीमती सुमन कटियार, गीता पटेल, प्रो वी एन पाल, पवन कुमार वर्मा, इंजीनियर अतुल सचान, प्रभात सिंह वर्मा, सोहित कटियार, मो अकरम अंसारी, डॉ यशवंत कटियार, क्षेदा लाल शास्त्री, मनोज कटियार, नरेंद्र नाथ उमराव, जितेंद्र सचान, नीरजा कटियार, सविता उत्तम, ममता सचान, प्रीति पटेल, रश्मि सचान, अभिषेक कटियार, मोहित सचान, सुरेश सचान, राजेन्द्र सिंह विद्यार्थी, अरविंद उमराव, सुनील कटियार, राजेश आजाद, संदीप उत्तम, अंशुल पटेल, राम आसरे कटियार सागर, बेनी सचान, राजेन्द्र वर्मा, सुरेंद्र सचान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। शाहू जी महाराज प्रतिमा स्थल और पार्किंग के आसपास भीषण गंदगी और दुर्गंधयुक्त स्थिति पर मौजूद प्रबुद्ध लोगों ने नाराजगी जताई और विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के विरुद्ध नारेबाजी की तब जाकर कुछ सफाई कर्मियों को भेजा गया। समाज के प्रबुद्ध लोगों ने इसे छत्रपति शाहू जी का अपमान बताया और प्रदेश शासन और कुलाधिपति से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

देवराज पाण्डेय जौनपुर कांग्रेस के उपाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई– वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवराज पाण्डेय को जौनपुर जिले की नवनियुक्त कार्यकारिणी में जौनपुर कांग्रेस का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पांडेय, समय समय पर समाज को अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करने का काम किया करते हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष बनाए जाने पर उनको डॉ प्रभात विक्रम सिंह अनिल कुमार पांडेय शील कुमार शुक्ला संपादक विजडम इंडिया न्यूज़ पेपर लखनऊ रमाशंकर तिवारी जयप्रकाश मिश्रा सुरेन्द्र वीर सिंह विशाल पांडेय लालचंद यादव ने ढेर सारी शुभकामनाएं और हार्दिक बधाई दी।

अमुव फाउंडेशन द्वारा आदिवासी विद्यार्थियों को शालेय सामग्री का वितरण

मुंबई– सामाजिक संस्था अमुव फाउंडेशन (मुलुंड,मुंबई) द्वारा जिला परिषद विद्यालय चोंडे खुर्द, डोलखांब,तालुका शहापुर,ठाणे के विद्यालय में स्कूल खुलने के उपलक्ष्य में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुरारका, ट्रस्टी अनिल कनोई,श्रीमती चंद्रकला मुरारका,श्रीमती मधु कनोई द्वारा कक्षा 1 से 4थी तक के सभी विद्यार्थियों को आकर्षक स्कूल बैग,छाता,पाठ्यपुस्तक, नोटबुक,पेन,शालेय सामग्री का वितरण किया गया। विद्यालय को ब्ल्युटूथ स्पीकर तथा माईक प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को नाश्ता एवम भोजन का प्रबंध किया गया। फाउंडेशन हर तीसरे माह आदिवासी विद्यार्थियों/लोगों के लिये कार्यक्रम का आयोजन करता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने अमुव फाउंडेशन के सभी ट्रस्टियों का आभार प्रकट किया।

आत्म–सम्मान और आत्म तिरस्कार

आत्म सम्मान और आत्मतिरस्कार ऐसे दो परम्पर विरोधी जलवायु हैं, जिनका मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा भारी प्रभाव पड़ता है।लोगों के हदय में से जब किसी के लिए श्रद्धा, आदर भावना, मित्र दृष्टि, मंगलकामना, आशीर्वाणी उडती है, तो यह उच्चकोटि के सात्विक एवम् आनंदमय तत्वों से भरपूर होती है। ये सद्भावनाएँ बिजली की लहरों की तरह आकाश के ईथर तत्व में प्रवाहित होती हुई उसी आदमी के पास जा पहुँचती हैं, जिसके लिए उनका जन्म हुआ था।बंदूक की गोली निशाने पर लगती है, छोड़ा हुआ तीर अपने लक्ष्य पर पहुँचता है। गोली और तीर तो निशाना चूक सकते हैं परंतु शाप और वरदान की, तिरस्कार और सम्मान की, भलाई और बुराई की भावनाएँ कभी नहीं चूकती, जिसके लिए वे उत्पन्न हुई हैं, उसके पास निर्बाध गति से जा पहुँचती हैं।यही वह आहार है, जिसके आधार पर आत्मिक स्वास्थ्य घटता बढ़ता है। किसान खेत में बीज बोता है, समय पर फसल कटती है और उसी अन्न से वह अपना पेट भरता है। गेहूँ बोया है तो गेहूँ खाता है, मक्का बोई है तो मक्का पर निर्वाह करता है। मनुष्य संसाररूपी खेत में कर्तव्य कर्मों का बीज बोता है और उस व्यवहार के कारण जो शाप–वरदान प्राप्त होते हैं, उसी आहार से आत्मिक भूख बुझाता है। यदि दूसरों के साथ बुराई की गई है तो वह मन ही मन तुम्हारे प्रति घृणा उगलेगा, शाप देगा, दुःखी होगा और तिरस्कार के भाव उत्पन्न करेगा। यह घृणा, शाप, दुःख, तिरस्कार मिलकर जब सामने आयेंगे और अपनी कमाई हुई इस फसल पर ही आत्मिक भूख बुझाने की विवश होना पड़ेगा, तब यह तामसी अखाद्य और विषैला अदृश्य आहार वैसा प्रभाव करेगा जैसा कि सीलदार तराइयों का जलवायु हानिकारक असर करता है। धुएँ से भरे हुए स्थान पर सुखपूर्वक नहीं रहा जा सकता। इस प्रकार यदि चारों और से उड़– उड़कर शाप और तिरस्कार की भावनाएँ, आती रहें, तो उस अनिष्टकर बातावरण में सांस लेते लेते एक दिन आत्मिक स्वास्थ्य नष्ट होकर मानसिक रोगों की भरमार ही जाएगी।

पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल का मुंबई में सम्मान

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल (स्वास्थ्य एवं परिवारकल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री) के मुंबई आगमन पर युवा ब्रिगेड एसोसिएशन, मुंबई के अध्यक्ष डॉ.सचिन सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबूलाल सिंह, पनवेल के सुप्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.सुभाष सिंह,डॉ.एस.आर. वर्मा,संतोष विश्वकर्मा , अरूण दीक्षित,राजेश रंजीत एवं घनश्याम गुप्ता ने भी मंत्री महोदया का सम्मान किया। मंत्री महोदया एक प्रतिष्ठित अखबार के स्वास्थ्य समिट में मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक्टर्स,समाज सेवक एवं समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित करने मुंबई आई थी।

पुस्तक उठो हिन्द के वीर बॉकुरों पर पस्चिर्चा व काव्यगोष्ठी सम्पन्न

काव्य सृजन व हमरूह प्रकाशन के संयुक्त प्रयास से साझा संग्रह उठो हिन्द के वीर बॉकुरों पुस्तक पर ओमप्रकाश तिवारी जी ने अपने स्पष्ट विचार रखे। तदोपरांत अरुण दुबे "अविकल" की अध्यक्षता में काव्यगोष्ठी भी हुई।मुख्य अतिथि किरन चौबे व विशिष्ट अतिथि सौ. अंजू शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में बहुत ही सौम्य संचालन कोषाध्यक्ष लालबहादुर यादव "कमल"जी ने किया।संस्था अध्यक्ष "आत्मिक"श्रीधर मिश्र जी की देख रेख में आयोजन लवरेज रहा। अध्यक्ष अरुण दूबे" अविकल"जी ने कवियों के रचनाओं की बहुत ही सुन्दर समीक्षा कर सबको गदगद कर दिया। सावनी फुहार और कजरी से सजा आज का आयोजन आनंददायक रहा।आज आनंद देने वाले आनंद को छोड़कर बाकी कवि जमदग्निपुरी,माता प्रसाद शर्मा,ताज मोहम्मद"ताज", ओमप्रकाश तिवारी,प्रा.अंजनी कुमार द्विवेदी"अनमोल", लालबहादुर यादव"कमल", राकेश मणि त्रिपाठी, गुरु प्रसाद गुप्त, सजनलाल यादव, अवनीश कुमार दीक्षित"दिव्य", डॉ शारदा प्रसाद दुबे" शरदचंद्र"," आत्मिक"श्रीधर मिश्र,किरन चौबे, अरुण दुबे" अविकल",अंजू शर्मा, लक्ष्मी यादव"आजश्विनी",रीमा यादव,शिखा गोस्वामी आदि। रहीं। अप्रत्यक्ष रूप से हीरा लाल यादव"हीरा" व मार्गदर्शक आ. मोतीलाल बजाज जी अपनी रचनाओं द्वारा सभागार में उपस्थित रहे। आयोजन की शुरुआत आयोजन अध्यक्ष मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि द्वारा मॉ सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन पूजन अर्चन पं.जमदग्निपुरी द्वारा स्वस्ति वाचन व किरन चौबे द्वारा वंदन से हुई।अथिति किरन चौबे अंजू शर्मा व अध्यक्ष अरुण दूबे अविकल जी का स्वागत संस्था ने अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ से किया। संरक्षक मुन्ना राय की पुत्रवधू का अचानक निधन का समाचार धक्कादायक रहा,साथ में संस्था के उपाध्यक्ष गुरु प्रसाद गुप्त जी की माताजी का गोलोक गमन सबको गमगीन कर गया।सभी उपस्थित सुधी जनों ने उन दोनों पुण्यात्माओं की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखके भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीराम जानकी मंदिर बद्रीधाम नब्बे फिट रोड लालबहादुर शास्त्री नगर साकीनाका मुम्बई के प्रांगण में आयोजित आयोजन के अंत में उपाध्यक्ष गुरु प्रसाद गुप्त जी ने सभी का आभार प्रकट किया। राष्ट्रगान के उपरांत आयोजन सम्पन्न हुआ।

मुलुंड में कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी का छाता वितरण एवं संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता मुंबई

मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) स्थित जी.एस. शेट्टी ग्रैंड सेंट्रल हॉल में सामाजिक संस्था "एकताः द पॉवर ऑफ यूथ एंड यूनिटी (NGO)" एवं मगध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में "सम्पूर्ण भारत सुरक्षा मंच" के अंतर्गत एक भव्य मोफत छाता वितरण एवं जनचेतना संगोष्ठी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। वर्षात को ध्यान में रखते हुए यह आयोजन विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों महिलाओं व दिव्यांगों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें सैकड़ों लाभार्थियों को निःशुल्क छाते वितरित किए गए। इस अवसर पर मंच पर मौजूद प्रमुख अतिथियों में के.एन. त्रिपाठी, एम. जितेंद्र, वर्षाताई गायकवाड़, इब्राहिम यश मणि, बी के तिवारी, उत्तम गीत्ते, डॉ राजेंद्र प्रसाद तथा राकेश शेट्टी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं नागरिक जिम्मेदारी जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के आयोजक एवं सम्पूर्ण भारत सुरक्षा मंच के अध्यक्ष श्राकेश शेट्टी ने कहा, "वर्षात में जब एक छाता किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, तो समझिए कि समाज सेवा की दिशा में हमने एक सही कदम बढ़ाया है। हमारा प्रयास आगे भी ऐसे छोटे–छोटे लेकिन असरदार कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने का रहेगा।" कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा "आज की राजनीति को सेवा से जोड़ने का जो प्रयास राकेश शेट्टी कर रहे हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुलुंड में राकेश लगातार जानता की आवाज उठा रहे है चाहे वह अग्रवाल अस्पताल का प्राइवेटाइजेशन हो या फिर अड़ानी स्मार्ट मीटर या फिर प्रियदर्शनी स्वीमिंग पुल या ग़रीबों उनका आशियाना दिलाने का मामला हो । राकेश भले ही चुनाव में विजय ना हासिल कर सके हो लेकिन सबसे अधिक वोट पाने और हारने के बाद भी सक्रिय रहकर समाज की ज़रूरतों को समझते हुए बेहतर कार्य कर रहे हैं । ऐसे आयोजन से हम बेहतर भारत और उत्तम मुलुंड की कल्पना साकार कर सकते हैं।" कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की और आयोजकों को धन्यवाद दिया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे समाजोपयोगी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।
सम्पादक
पूजा प्रसाद पाण्डेय
मो0– 9833567799
R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377
Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org
समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।
सोच अच्छी ख़बर सच्ची